चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.05.2020	02	01-05

भास्कर खास एचएयू यूजी और पीजी के स्टूडेंट की भी ऑनलाइन ऑब्जेक्टिव टाइप हो सकती है परीक्षा

एमएससी व पीएचडी की परीक्षा, शोध पेपर, वायवा और सेमिनार होंगे ऑनलाइन, रिजल्ट भी जल्दी घोषित करेगा एचएयू

- परीक्षा संपन्न कराने को विशेष समिति गठित

महबूब अली | हिसार

कोरोना से बचाव के मद्देनजर एचएयू ने एक और अहम निर्णय लिया है। एमएससी, पीएचडी के स्टूडेंट के ऑनलाइन शोध पेपर, वायवा होंगे। यही नहीं छात्र ऑनलाइन ही सेमिनार में भी शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा यूजी और पीजी के छात्र-छात्राओं की भी ऑनलाइन ऑब्जेक्टिव पैटर्न पर ही परीक्षा कराने की तैयारी विवि कर रहा है। फाइनल वर्ष के स्टूडेंट की परीक्षा ऑनलाइन और ऑब्जेक्टिव टाइप कराने के लिए समिति भी गठित की गई है। जो जल्द इस पर निर्णय लेगी। यही नहीं इस बार सभी छात्र-छात्राओं का रिजल्ट जल्द घोषित किया जा सकता है। प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुछ परीक्षार्थियों की परीक्षा लॉकडाउन से पहले ही संपन्न कराई जा चुकी है।

प्रैक्टिकल भी हो सकते हैं ऑनलाइन

एचएयू सूत्रों के अनुसार इस बार फाइनल वर्ष के स्टूडेंट के प्रैक्टिकल भी ऑनलाइन ही कराए जा सकते हैं। चूंकि फाइनल इयर में प्रैक्टिकल अनिवार्य है। ऐसे में विश्वविद्यालय का फोकस न्यूनतम समय में प्रैक्टिकल और परीक्षा कराकर रिजल्ट देने का है।

प्रवेश परीक्षा में हो सकते हैं बदलाव

एचएयू के सूत्रों के अनुसार कोरोना के कारण सत्र में देरी और अगले सत्र को सही करने के क्रम में विवि इस बार प्रवेश प्रक्रिया में कुछ बदलाव कर सकता है। विवि प्रवेश प्रक्रिया को न्यूनतम समय में कराने को ना केवल मेरिट की संख्या कम कर सकती है बल्कि एडमिशन प्रक्रिया को और सरल भी कर सकता है।

एचएयू के अलावा कोल और बावल में भी ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी

एचएयू के अलावा कोल, बावल के एग्रीकल्चर कॉलेज के फाइनल वर्ष के छात्रों की परीक्षा ऑनलाइन की तैयारी चल रही है। गठित समिति जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

विवि की परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी है। जैसे ही शासन स्तर से परीक्षाओं को लेकर निर्णय होगा, विवि न्यूनतम, समय में परीक्षाएं कराते हुए रिजल्ट जारी करेगा। हालांकि परीक्षा गठित समिति के निर्णय पर डिपेंड करेंगी। एमएससी और पीएचडी के छात्रों की परीक्षा, रिसर्च पेपर, वायवा ऑनलाइन ही होंगे। यह तय किया जा चुका है।

-डॉ. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू।

एचएयू के पीजी और यूजी के होंगे ऑनलाइन एग्जाम

एचएयू में यूजी छात्रों की संख्या	1440
पीजी छात्रों की संख्या	850

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.05.2020	02	07-08

हकृवि ने कोरोना-संक्रमण से बचाव के लिए बनाए मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड

गृह विज्ञान महाविद्यालय में मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड बनाते हुए।

हिसार, 11 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के निर्देशानुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग ने मार्च माह से अब तक सूती वस्त्रों के 5 हजार मास्क बनाए है। साथ ही विभाग ने चेहरे के लिए सुरक्षात्मक शील्ड भी तैयार की है जिससे स्वास्थ्य कर्मी कोरोना प्रभावित लोगों के इलाज के समय पहनकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12.05.2020	04	06

फेस मास्क के साथ शील्ड भी तैयार कर रहीं एचएयू की छात्राएं

जासं, हिसार : आज हमारा पूरा देश कोरोना वायरस (कोविड-19) जनित महामारी की चपेट में है। वैश्विक महामारी के इस कठिन समय में हम सभी इससे बचाव के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। इसी दिशा में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के निर्देशानुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग ने मार्च माह से अब तक सूती वस्त्रों के पाँच हजार मास्क बनाए है। विभाग ने चेहरे के लिए सुरक्षात्मक शील्ड भी तैयार की है जिससे स्वास्थ्य कर्मी कोरोना प्रभावित लोगों के इलाज के समय पहनकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। विभाग ने मास्क एवं सुरक्षात्मक शील्ड बनाने की विधि का विडियो तैयार किया है जिसे विभिन्न माध्यमों से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। तैयार किए गए मास्क विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाए जा रहे है।

मास्क को ऐसे करें उपचारित : इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि खेती के काम के समय किसानों को अपने हाथों को साबुन से अच्छी प्रकार से धोना चाहिए। मास्क व दस्तानों को हर बार उपयोग के बाद अवश्य धोएँ एवं उन्हें धूप में सुखाएँ। उन्हें नीम के पत्तों के अर्क से उपचारित कर सकते हैं। इसके लिए 100 ग्राम ताजे नीम के पत्तों को एक लीटर पानी में 15-20 मिनट तक उबालकर छान लें तथा इस अर्क में धुले हुए मास्क व दस्तानों को 20 मिनट के लिए उपचारित करें। तत्पश्चात उन्हें अच्छे प्रकार से सुखा लें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	11.05.2020	03	01-04

हकृवि ने कोरोना-संक्रमण से बचाव के लिए बनाए मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। आज हमारा पूरा देश कोरोना वायरस (कोविड-19) जनित महामारी की चपेट में है। वैश्विक महामारी के इस कठिन समय में हम सभी इससे बचाव के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में हमें न केवल स्वयं को अपितु अपने आस-पास के सभी लोगों को सुरक्षित रखने के प्रयास भी करने हैं क्योंकि इस महामारी से बचने के लिए सावधानी ही एकमात्र उपाय है।

इसी दिशा में निरंतर भिन्न-भिन्न क्रियाकलापों को क्रियान्वित करते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग ने मार्च माह से अब तक सूती वस्त्रों के पाँच हजार मास्क बनाए है। विभाग ने चेहरे के लिए सुरक्षात्मक शील्ड भी तैयार की है जिससे स्वास्थ्य कर्मी कोरोना प्रभावित लोगों के इलाज के समय पहनकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। विभाग ने मास्क एवं सुरक्षात्मक शील्ड बनाने की विधि का विडियो तैयार किया है जिसे विभिन्न माध्यमों से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। तैयार किए गए मास्क विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाए जा रहे है। मास्क बनाने का कार्य अब भी जारी है। इस विडियो की सहायता से महिलाएं घर पर ही आसानी से मास्क तैयार कर सकती हैं। इस महामारी के सन्दर्भ में इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सरकार के दिशा-निर्देशों का पूर्णतया पालन करें और कोविड-19 महामारी को हराने में हर सम्भव योगदान दें।

हिसार। गृह विज्ञान महाविद्यालय में मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड बनाने की प्रक्रिया निरंतर जारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	11.05.2020	02	02-06

हकृवि ने बनाए मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड

CHAUDHARY CHARAN SINGH HAR

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 11 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के निर्देशानुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग ने मार्च माह से अब तक सूती वस्त्रों के पाँच हजार मास्क बनाए है। कुलपति के मार्ग-दर्शन अनुरूप ही विभाग ने चेहरे के लिए सुरक्षात्मक शील्ड भी तैयार की है जिससे स्वास्थ्य कर्मी कोरोना प्रभावित लोगों के इलाज के समय पहनकर अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। विभाग ने मास्क एवं सुरक्षात्मक शील्ड बनाने की विधि का विडियो तैयार किया है जिसे विभिन्न माध्यमों से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। तैयार किए गए मास्क विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाए जा रहे है। मास्क बनाने का कार्य अब भी जारी है। इस विडियो की सहायता से महिलाएं घर पर ही आसानी से मास्क तैयार कर सकती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय समय-समय पर किसानों के लिए रक्षात्मक सुझाव देते रहते हैं। विभाग द्वारा भी किसान भाई एवं बहनों के लिए वस्त्रों सम्बंधी सुझाव दिए गए हैं जिन्हें छात्राओं के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया गया हैं। खेती के काम के समय किसानों को कोरोना वायरस के बचाव के साथ-साथ धूल-मिट्टी आदि से बचाव के लिए मास्क, दस्तानों का प्रयोग करने से पहले व बाद में अपने हाथों को साबुन से अच्छी प्रकार से धोना चाहिए। मास्क व दस्तानों को हर बार

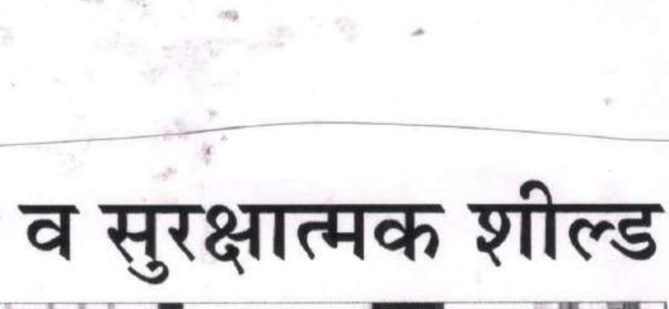

गृह विज्ञान महाविद्यालय में मास्क व सुरक्षात्मक शील्ड बनाने की प्रक्रिया निरंतर जारी।

उपयोग के बाद अवश्य धोएं एवं उन्हें धूप में सुखाएं। दस्तानों एवं मास्क की कीटाणु रोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें नीम के पत्तों के अर्क से उपचारित कर सकते हैं। इसके लिए 100 ग्राम ताजे नीम के पत्तों को एक लीटर पानी में 15-20 मिनट तक उबालकर छान लें तथा इस अर्क में धुले हुए मास्क व दस्तानों को 20 मिनट के लिए उपचारित करें। तत्पश्चात् उन्हें अच्छे प्रकार से सुखा लें। इस महामारी के सन्दर्भ में इन्दिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढ़ांडा ने महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सरकार के दिशा-निर्देशों का पूर्णतया पालन करें और कोविड-19 महामारी को हराने में हर सम्भव योगदान दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
फतेहाबाद हैडलाइन सिटी	08.05.2020	02	01-02

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म देगा प्रदेश के किसानों को प्रशिक्षण

फतेहाबाद/हैडलाइन न्यूज: एचएयू हिसार का पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को प्रशिक्षण के साथ-साथ ऑर्गेनिक फल और सब्जियां उत्पादित करेगा। यह ऑर्गेनिक फार्म 150 एकड़ में बना है। जहां किसानों को विशेष प्रकार की ट्रैनिंग दी जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जी को उगाने के प्रति ट्रेंड करने में अहम भूमिका निभा रहा है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में गेहूं, मक्का, कद्दू, घीया, त्योरी, तरबूज, करेला, खीरा, भिंडी, प्याज, लहसून और तीन तरह के अमरूद, चार प्रकार के आम, और तीन तरह के केले, आलू बुखारा, अनासपती और अनार उगाएं गए है। बिना रासयनिक पदार्थों का प्रयोग किए फल से लेकर सब्जियों की खेती की जा रही हैं। अब तक यहां पर हजारों की संख्या में किसान ट्रेनिंग ले चुके है। स्थानीय के अलावा विदेशी साइंटिस्टों की देख-रेख में ऑर्गेनिक फार्म में किसानों को फल से लेकर सब्जियों को उगाने व उनको उत्तम किस्म की ऑर्गेनिक खेती की उत्पादन क्षमता में कैसे वृद्धि करके उनकी आय को बढाया जा सकता है, इस प्रकार का प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था है।